विचार बिन्दु

सत्याग्रह बल प्रयोग के विपरीत होता है। हिंसा के संपूर्ण त्याग में ही सत्याग्रह की कल्पना की गई है। –महात्मा गांधी

क्या दिल्ली (राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र) पर राष्ट्रपति शासन लागू करना उचित कदम होगा?

अनुच्छेद 356 जिसे राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाने के रूप में भी जाना जाता है, साधारणत: समाचारों का एक महत्वपूर्ण विषय है। अनुच्छेद 356 के अनुसार संवैधानिक मशीनरी की विफलता (Failure) पर भारत के किसी भी राज्य पर राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है।

किसी भी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने के लिये संसद के दोनों सदनों की स्वीकृति की आवश्यकता है और राष्ट्रपति शासन लगने की तारीख से दो माह की अवधि में प्राप्त की जानी चाहिये। राष्ट्रपति शासन की प्रारंभिक अवधि छ: माह की होती है।

अनुच्छेद 365 के अनुसार भी राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है यदि राज्य, केन्द्र सरकार की आज्ञा को, जिसे देने का अधिकार केन्द्र को है, मानने से इन्कार कर दे। अनुच्छेद 356 के प्रावधान यूनियन टेरीटरीज पर लागू नहीं होते।

एनसीटी दिल्ली पर राष्ट्रपति शासन संविधान के अनुच्छेद 239 एबी के अनुसार लगाया जाता है। (जैसा ऊपर कहा गया है अनुच्छेद 356 यूनियन टेरिटरीज पर लागू नहीं होता।)

राष्ट्रपति शासन में राज्य का शासन निलम्बित हो जाता है और राज्य पर केन्द्र का शासन लागू हो जाता है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जेल में हैं। उसके विरूद्ध शराब घोटाले व मनी लॉन्ड्रिंग के केस न्यायालय के समक्ष हैं। यह प्रश्न बहस में फंसा हुआ है कि क्या केजरीवाल जेल में रहकर राज्य सरकार को चला सकते हैं। इस प्रश्न का उत्तर आसान नहीं है। जेल मेनुअल में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि मुख्यमंत्री जेल से सरकार नहीं चला सकता। यों भी जेल में रहकर सरकार को चलाना संभव प्रतीत नहीं होता।

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया है कि दिल्ली की सरकार को भंग करने व चुनाव से अलग रखने के उद्देश्य से, केजरीवाल को झूठे मुकदमें में फंसाया गया है, उसने केन्द्र सरकार का बहुत बडा षडयंत्र है। आतिशी का दावा है कि राज्य को अस्थिर करने के सभी प्रयास हो रहे हैं। अधिकारियों की पोस्टिंग नहीं की जा रही और न नियुक्ति ही। आतिशी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है केन्द्र सरकार राष्ट्रपति शासन कभी भी लगा सकती है। केन्द्र सरकार का एक मात्र उद्देश्य है केजरीवाल को चुनावों के सीन से दूर रखना। यह एक षडयंत्र ही नहीं अपितु चक्रव्यूह है, जिसमें केजरीवाल को फंसाया जा रहा है।

संविधान का अनुच्छेद 356 राज्यों के विषय में लागू होता है। अनुच्छेद 239 एबी (239 कख) दिल्ली के सम्बन्ध में विशेष उपबन्ध है और उसी क्रम में एनसीटी, दिल्ली के लिये अनुच्छेद 356 की तर्ज पर 239 एबी (239 कख) है। यह उपबंध संवैधानिक तंत्र के विफल होने के दशा में लागू होता है। जब राष्ट्रपति का उपराज्य से प्रतिवेदन मिलने पर या अन्यथा, यह समाधान हो जाता है कि एक ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र का प्रशासन अनुच्छेद 239 कख था उस अनुच्छेद के अनुसार में बनाई गई किसी विधि के उपबन्धों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता, या (ख) राष्ट्रीय राजधानी राजक्षेत्र ने उचित प्रशासन के लिए ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, तो राष्ट्रपति आदेश द्वारा ऐसी व्यवस्था कर सकेंगे, जो राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र के प्रशासन के हेतु आवश्यक व समीचीन प्रतीत हो।

यहां यह लिखना अनिवार्य है कि राष्ट्रपति/उपराज्यपाल के लिये यह निर्णय करना आवश्यक होगा कि केस में अन्य कोई वैकल्पिक निदान उपलब्ध नहीं है।

आम आदमी पार्टी (आप) की मिनिस्टर आतिशी का कथन है कि केजरीवाल सरकार मेजोरिटी में है, अत: राष्ट्रपति शासन लगाना अवैध होगा। आतिशी का यह भी आरोप है कि यह मामला राजनीतिक Vendetta का है।

अभी तक केन्द्र सरकार की कोई प्रतिक्रिया इस मामले में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष दिखाई नहीं दे रही है। बीजेपी ने भी इससे इन्कार किया है। यह भी कहा जा रहा है कि केजरीवाल को Resign कर देना चाहिये और नये चीफ मिनिस्टर को राज्य का संचालन दिया जाना चाहिये। उपराज्यपाल ने इतना ही कहा है कि केजरीवाल को मुख्यमंत्री के रूप में जेल से राज्य की सत्ता को चलाने नहीं दिया जावेगा।

इण्डिया गठबंधन के बडे नेता यह कहते रहे हैं कि मोदी निरंकुश शासक के रूप में काम कर रहे हैं, यहाँ कोई गणतंत्र नहीं है। मोदी वर्तमान संविधान ही समाप्त करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक चुनाव सभा में कहा है कि भारतीय संविधान ऐसा बनाया गया है कि स्वयं बाबा साहब अम्बेडकर भी संविधान को बदल नहीं सकते।

आम आदमी पार्टी की मिनिस्टर आतिशी ने यह कहकर सबका ध्यान आकर्षित किया है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने कुछ समय पूर्व दिये गये निर्णय में यह विचार अभिव्यक्त किया था कि जहां ऐसी समस्या को निपटाने के हेतु अन्य Remedy उपलब्ध हो तो राष्ट्रपति शासन (गर्वनर रूल) की आवश्यकता नहीं होती।

इण्डिया गठबंधन के बडे नेता यह कहते रहे हैं कि मोदी निरंकुश शासक के रूप में काम कर रहे हैं, यहाँ कोई गणतंत्र नहीं है। मोदी वर्तमान संविधान ही समाप्त करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक चुनाव सभा में कहा है कि भारतीय संविधान ऐसा बनाया गया है कि स्वयं बाबा साहब अम्बेडकर भी संविधान को बदल नहीं सकते।

दिल्ली हाईकोर्ट के निर्णय के विरूद्ध केजरीवाल की अपील पर दिनांक 15 अप्रैल 2024 को बहस हुई; किन्तु केजरीवाल को कोई राहत नहीं मिली।

जयपुर द्वितीय चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने 12 आरोपियों को बेल ग्रान्ट की है, उसका आधार था कि अभिभुक्तगणों को पेपर लीक केस में एसओजी ने Illegal Detain किया था, उन्हें कोई पूर्व नोटिस भी नहीं दिया था। प्रश्न है क्या केजरीवाल को इस केस में दिये गये आदेश से कोई लाभ मिल सकता है। कानून के विशेषज्ञों का कहना है कि केजरीवाल का केस इससे भिन्न है। केजरीवाल को 9 नोटिस दिये गये थे, किन्तु वे ईडी के सामने उपस्थित नहीं हुये।

केजरीवाल जिन्हें भ्रष्टाचार समाप्त करने वाले लीडर के रूप में दिल्ली की जनता जानती थी, उनके विरूद्ध भ्रष्टाचार के कई केस उजागर हो रहे हैं। शराब घोटाले के केस के बाद, ठग सुकेश चन्द्रशेखर ने आरोप लगाया कि उसने राज्यसभा सीट हासिल करने के हेतु आप नेता कैलाश गहलोत को 50 करोड रूपये दिये थे। यह रकम केजरीवाल के निर्देशन पर दिये थे। इस प्रसंग में यह भी कहा जा रहा है कि सत्ता के दुरूपयोग के आरोपों की नई नई परते खुलेंगी।

राष्ट्रपति शासन अथवा केन्द्रीय शासन एक परिभाषिक शब्द है। इस शब्द का प्रयोग उस समय किया जाता है जब किसी राज्य सरकार को भंग या निलम्बित किया जाता है और वस्तुत: राज्य प्रत्यक्षत: संघीय शासन के अधीन हो जाता है। जैसा ऊपर स्पष्ट किया गया है। यह स्थिति उस समय पैदा होती है जब राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो जाता है। यह स्थिति उस समय भी उत्पन्न होती है जब राज्य विधान सभा में किसी भी दल या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं रहता हो। सदन को 6 माह के लिये निलम्बित अवस्था में रखा जा सकता है। यह अवधि 3 वर्ष तक बढाई जा सकती है।

इस प्रकार के शासन की स्थिति को राष्ट्रपति शासन इसलिये कहा जाता है, क्योंकि राज्य का नियंत्रण निर्वाचित मुख्यमंत्री के पास नहीं रहकर राष्ट्रपति के पास आ जाता है। वस्तुत: प्रशासनिक दृष्टि से राज्य के राज्यपाल को केन्द्रीय सरकार द्वारा कार्यवाही अधिकार दे दिये जाते हैं।

राष्ट्रपति शासन लागू होने के उपरान्त, इसकी वैधानिकता को चुनौती, न्यायालयों में कई बार दी जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के कई निर्णयों के इस विषय पर चर्चा व विवेचन हो चुका है, किन्तु सबसे प्रसिद्ध केस है एस.आर. बोम्मई बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया, (1994 AIR 1918 SC: (1994) SCC (3) 1 इसमें विषय को कई रूपों में व स्थितियों के संदर्भ में परीक्षण किया गया है।

दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने से कैसे बचा जा सकता है, यह भी प्रश्न दिल्ली के चौराहे पर उठाया जा रहा है। एक मत है एलजी केजरीवाल के स्थान पर अन्य किसी को मुख्यमंत्री बना दें, क्योंकि जेल से शासन चलाना उचित प्रतीत नहीं होता। दो व्यक्तियों के नाम सामने आ रहे हैं, पहला नाम है श्रीमती केजरीवाल का तथा दूसरा नाम है संजय सिंह का, जो बेल पर छूटकर जेल से बाहर आये हैं। एक विकल्प यह भी है कि चूंकि विधान सभा में केजरीवाल का बहुमत है, अत: विधान सभा में नया नेता चुना जा सकता है। यह भी सुनने में आया है कि कुछ विधायकों के द्वारा केजरीवाल से अलग होना चाहते हैं, इसके परिणाम स्वरूप विधान सभा में सरकार अल्पमत में आ सकती है। केजरीवाल पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिनके पास कोई सरकारी विभाग नहीं है। केजरीवाल के एक मंत्री राजकुमार, इसलिये सरकार से अलग होना चाहते हैं, क्योंकि राज्य में भ्रष्टाचार है। यह भी खबर है, राजकुमार जैसे अन्य विधायक भी केजरीवाल का साथ छोडना चाहते हैं। खबरों की दुनियां है। सुनें और आनन्द लें। दुनियां में चार मोर्चों पर जंग चल रही है, पांचवा केजरीवाल का मोर्चा मान लो।

दिनांक 15.04.2024 को सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ के समक्ष केजरीवाल की अपील सुनवाई के हेतु लगी। केस में कोई Effective कार्य नहीं हुआ तथा अगली तारीख 29.04.2024 नियत कर दी गई। रेस्पोन्डेंट को नोटिस जारी कर दिये। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को निर्देश दिये हैं कि वे अपना उत्तर 24.04.2024 तक प्रस्तुत कर दें। संक्षेप में यही कहा जा सकता है कि यह मामला दो सप्ताह के लिये टल गया। केजरीवाल को कोई राहत नहीं मिली। ट्रायल कोर्ट (राउज ऐवन्यू कोर्ट) ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 29 अप्रैल 2024 तक बढा दी है।

आम आदमी पार्टी (आप) का भरसक प्रयत्न होगा कि बीजेपी, दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लागू करवाने की ओर कदम बढावे, साथ ही बीजेपी यथास्थिति बनाये रखने के पक्ष में दिखाई देती है।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

रक्तहीनता देशव्यापी समस्या है

डॉ. रामावतार शर्मा

खून की कमी यानि रक्तहीनता को सामान्य लोग कोई बीमारी नहीं मानते। अधिकतर लोग इसे यूं कह कर टाल देते हैं कि जरा खून कम है वर्ना शरीर में सब कुछ ठीक है। परंतु वास्तविकता ऐसी नहीं है। खून की कमी से प्रभावित व्यक्ति की जीवन गुणवत्ता काफी कमजोर पड जाती है।

रक्तहीनता से कार्य कुशलता तथा निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है जिसके फलस्वरूप व्यक्ति के शारीरिक, बौद्धिक तथा व्यावसायिक विकास में बाधाएं खडी हो सकती हैं। चिडचिडाहट और थकान के कारण पारिवारिक जीवन पर बडे कुप्रभाव पडते हैं। बीमारी सिर्फ उसी को नहीं कहते जिसके कारण जीवन तुरंत खतरे में आता हो। रक्तहीनता भी मध्य से दीर्घकाल में मृत्यु का कारण बन सकती है इसलिए इसको भी गंभीरता से लेना चाहिए। चूंकि रक्तहीनता का बडा कारण भोजन में लोह तत्व की कमी होता है तो व्यापक जनचेतना तथा भोजन गुणवत्ता की जानकारी इस रोग को कम करने में बडी सहायता कर सकती हैं। भारत जैसे देश में शाकाहारी लोग अधिक बसते हैं इसलिए भोजन संबंधी जानकारी की अधिक आवश्यकता होती है क्योंकि रक्त को बनाने वाले लोग तत्व एवम् विटामिन बी 12 की कमी यहां काफी बडी प्रतिशत आबादी में पाई जाती है।

शरीर में लोह तत्व की कमी भोजन पदार्थों में इसका कम या न होना या किन्ही कारणों से इसका आंतों में अवशोषण (अब्सोर्ब) अवरुद्ध होना होता है। इसके अलावा यदि व्यक्ति के शरीर से बडा या फिर थोडा परंतु लगातार होने वाला रक्तस्त्राव भी रक्तहीनता (एनीमिया) का कारण हो सकता है। लोह की कमी से लाल रक्त कणों की कमी हो जाती है जिसके फलस्वरूप शरीर के ऑक्सीजन परिवहन में कमी आने से उसके अंगों के कार्य बाधित होने लगते है और सामान्य जीवन की क्रियाएं सुचारू रूप से नहीं चल पाती हैं। इसके अलावा त्वचा का पीलापन, कान में आवाजें, स्वाद में बदलाव, खुजली, बिना पके चावल या ईंट पत्थर खाने की इच्छा, जीभ में सूजन, बालों का गिरना, अंगुलियों और अंगूठों के नाखूनों में गड्ढे, निगलने में कठिनाई, डिप्रेशन आदि लक्षण व्यक्ति के जीवन को दूभर बना देते हैं।

इन सब बडी समस्याओं का समाधान भोजन की गुणवत्ता में छिपा है। भोजन में जलकुंभी, पालक, केल पत्ते, कोलार्ड ग्रीन (हाक साग), मौसमी, संतरा, लाल और पीली मिर्ची के अलावा सिंहपर्णी के पत्तों में लोह तत्व काफी मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा रात को भिगो कर रखे पिस्ते, काजू, पाइन तथा सूरजमुखी, कद्दू और हेंप के बीज से भी लोह तत्व आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। अनार और चुकंदर में काफी लोह होता है परंतु डायबिटीज से पीडित लोगों में इनका सेवन अच्छा नहीं होता है। इसके अलावा स्प्राउट (अंकुरित) किए हुए फलियों के बीज तथा मसूर में भी लोह काफी होता है। यहां एक बात का ध्यान रखने की आवश्यकता है कि भोजन में लोह तत्व की मात्रा यदि बहुत अधिक होगी तो उसका अवशोषण बहुत कम हो जाता है इसलिए उपरोक्त भोज्य पदार्थ बहुत ज्यादा मात्रा में सेवन नहीं करने चाहिएं। इस तरह के भोजन के दो घंटे पहले और दो घंटे बाद तक दूध या कैल्शियम की किसी गोली का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने पर कैल्शियम और लोह हमारी आंतों में आपसी संपर्क द्वारा ऐसे यौगिक बना लेते हैं कि फिर दोनों का ही अब्सोर्पशन नहीं होता और दोनों ही व्यर्थ हो जाते हैं। भोजन के साथ अंडे का सेवन भी नहीं करना चाहिए क्योंकि अंडे में उपस्थित फोस्विन नामक यौगिक लोह तत्व के अवशोषण को कम कर देता है। इसी प्रकार यदि चाय या कॉफी का सेवन मुख्य भोजन के साथ किया जाय तो 90 प्रतिशत तक लोह तत्व रक्त में नहीं जा सकता और यदि ऐसा नियमित रूप से होता रहे तो एक पूर्ण स्वस्थ व्यक्ति भी रक्तहीनता का शिकार हो जायेगा। भोजन के साथ, बाद या तुरंत पहले नींबू, संतरे और मौसमी का सेवन विटामिन सी की उपस्थिति के कारण भोजन के लोह तत्व को बेहतर अवशोषित करवाता है इसलिए इनका सेवन एक बेहतर कदम होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व में कोई 30 प्रतिशत महिलाएं और 40 प्रतिशत बच्चे हर समय रक्तहीनता से प्रभावित रहते हैं। गर्भवती महिलाओं में यह प्रतिशत और भी बढ जाता है जो कि नवजात शिशु के विकास को प्रभावित करता है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में भी इन समस्याओं के निवारण की बातें बहुत कम हो रहीं हैं और वाहियात किस्सों में वक्त बर्बाद किया जा रहा है। यह एक कष्टदायक बात है। जन चेतना और व्यापक जानकारी से रक्तहीनता को 90 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी देश के विकास में रक्तहीनता निवारण एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

101 कारीगर बालाजी के लिए बनाएगे छप्पन भोग प्रसाद

- **मंशापूर्ण हनुमान जन्मोत्सव का रजत जयंती वर्ष**
- **मंशापूर्ण हनुमान रजत जयंती समारोह, भक्तों का जोश भी 25 गुना**

उदयपुर, (कासं)। श्री मंशापूर्ण मित्र मंडल बदनोर की हवेली उदयपुर की ओर से इस साल मंशापूर्ण हनुमान जन्मोत्सव का रजत जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। गुरुवार को भट्टी पूजन किया। मित्र मंडल के संरक्षक भूपेश मेहता ने बताया कि भट्टी पूजन के साथ ही 101 कारीगर बालाजी हनुमान के लिए छप्पन भोग प्रसाद तैयार करने में जुट गए है। मेहता ने बताया कि छप्पन भोग बनाने में पूरी सात्विकता का ख्याल रखा गया है, 101 कारीगरों को 2 जोड कोरे वस्त्र दिए है, जिनको पहन कर ही छप्पन भोग बनाया जाएगा। रोज सुबह सभी कारीगर दूधतलाई में स्नान कर धुले हुए वस्त्र पहन कर फिर छप्पन भोग बनाने में लगेंगे और ये भोग हनुमान जी को 23 अप्रैल को जन्मोत्सव के दिन धराया जाएगा।

मित्र मंडल के अध्यक्ष राजेश तोषनीवाल ने बताया कि जन्मोत्सव कार्यक्रमों के तहत 22 अप्रैल को अखंड रामायण पाठ सुबह 7.15 बजे से शुरू होगा जो अगले दिन सुबह तक अनवरत चलेगा। 23 अप्रैल को सुबह 6 बजे महारुद्राभिषेक, 7.30 बजे पंचामृत अभिषेक के बाद 1.30 बजे भव्य पाग महोत्सव के साथ, कलश यात्रा का आयोजन रहेगा। पाग महोत्सव में मंशापूर्ण हनुमान को 551 मीटर की पाग धराई जाएगी। कलश यात्रा में हाथी, ऊंट, घोडा, बग्गिया, श्रीराम – बालाजी की विभिन्न झांकिया रहेगा साथ ही अखाडा प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहेगा। कलश यात्रा मन्दिर परिसर से राव जी का हाटा, रंग निवास, भटियानी चौहट्टा, जगदीश चौक, घंटाघर, जडियो की ओल होकर वापस मंदिर आएगी। मंशापूर्ण हनुमान के जन्मोत्सव पर घंटाघर से लेकर गुलाब बाग तक आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी। इधर जन्मोत्सव के दिन हनुमान भक्त की ओर से 21000 लड्डू हनुमान जी को भोग स्वरूप धराये जाएंगे।

आई.आर.एस. सुशील कुलहरि 21 किमी दौड़कर करेंगे मतदान

झुंझुनूं, (निसं)। मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित करने और स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के लिए भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी सुशील कुलहरी 19 अप्रेल को सुबह जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय से अपने गांव तिलोका का बास के मतदान केंद्र तक 21 किमी की दौड़ हाफ मैराथन लगाकर मतदान करेंगे। उनके साथ उनके पुत्र यूबी साइकिल चलाकर जाएंगे।

कुलहरि संयुक्त आयकर आयुक्त स्तर के अधिकारी हैं और वर्तमान में प्रतिनियुक्ति पर राजस्थान सरकार में संयुक्त शासन सचिव, आयोजना विभाग के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। वह देश में विभिन्न मैराथन इवेंट्स में भाग ले चुके हैं और अभी तक 9 फुल मैराथन 42.2 किमी और कुल 38 हाफ मैराथन 21.1 किमी की दौड़ें पूर्ण कर चुके हैं। उन्होंने मई 2019 के लोकसभा चुनाव और नवंबर 2023 के विधानसभा चुनाव में भी अपने परिवार एवं मित्रों के साथ मतदान केंद्र तक 21 किमी की दौड़ लगाकर मतदान किया था और मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य किया था।

उदयपुर में कलेक्टर अरविन्द पोसवाल ने वोटर क्यू मैनेजमेंट सिस्टम लांच किया

उदयपुर, (कासं)। लोकसभा आम चुनाव-2024 में आमजन की सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग और राजस्थान निर्वाचन विभाग की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अब मतदाताओं को अपने मतदान केंद्र पर वोटिंग के दौरान कतार की स्थिति भी घर बैठे पता चल सकेगी और वे अपनी सुविधानुसार बूथ पर जाकर मतदान कर सकेंगे ताकि उन्हें वहां ज्यादा देर तक इंतजार नहीं करना पड़े। आईटी विभाग के सहयोग

- **उदयपुर लोकसभा क्षेत्र के 300 बूथ पर वोटिंग के समय कतार की मिल सकेगी जानकारी**

जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द पोसवाल ने वेब एप्लीकेशन वोटर क्यू मैनेजमेंट सिस्टम लांच किया।

उदयपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए तैयार विशेष वेब रेस्पोंरेंस एप वोटर क्यू मैनेजमेंट सिस्टम को गुरूवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल ने प्रमुख सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर की उपस्थिति में लांच किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी पोसवाल ने बताया कि यह एप मतदाताओं के लिए बहुत अधिक सहायक सिद्ध होगा। इसकी मदद से मतदाता अपने बूथ पर कतार की स्थिति की जानकारी ले सकेंगे। पोसवाल ने सभी सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर से उक्त एप की जानकारी अधिक से अधिक लोग तक पहुंचाने में सहयोग की अपील की। इस दौरान एनआईसी के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक डॉ मजहर हुसैन, सोशल मीडिया प्रकोष्ठ प्रभारी डीओआईटी संयुक्त निदेशक सुश्री शीतल अग्रवाल, सह प्रभारी एपीआरओ विनय सोमपुरा सहित सभी सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स उपस्थित रहे। एनआईसी के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक डॉ मजहर हुसैन ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत लांच वेब एप्लीकेशन वोटर क्यू मैनेजमेंट सिस्टम का लिंक डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट ई-नगर डॉट कॉम स्लेश वीक्यूएमएस रहेगा। लिंक पर क्लिक करने पर एक वेब पेज खुलेगा। मतदाता को वेब पेज पर "बूथ में कतार की स्थिति जांचें" पर क्लिक करना होगा। मतदाता द्वारा संबंधित विधानसभा का चयन करने उपरांत मतदान केन्द्र का इन्द्राज कर कतार में खडे. मतदाताओं की संख्या की जानकारी मिल जाएगी। बी.एल.ओ. द्वारा संबंधित मतदान केन्द्र पर भीड़ की स्थिति एक निश्चित अन्तराल में वेब एप्लीकेशन पर अपडेट की जाएगी जिसे आमजन अपने मोबाइल पर देख पाएंगे। उदयपुर लोकसभा क्षेत्र में उदयपुर शहर एवं उदयपुर ग्रामीण विधानसभाओं के शहरी क्षेत्रों के करीब 300 मतदान केन्द्रों के मतदाताओं को यह सुविधा प्राप्त होगी। इसके उपयोग करने के लिए बूथ लेवल अधिकारी (बी.एल.ओ.) को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बूंदी में भूख प्यास से दम तोड़ रहे गोवंश

बूंदी, (निसं)। शहर के नैनवां रोड स्थित श्रीबड़ा रामद्वारा गौशाला की पंजीकृत टेग सुधा गोवंश के अकाल मौत का सिलसिला खत्म नहीं हो रहा। गुरुवार को भी बड़ा रामद्वारा गौशाला के दो गोवंश अकाल मौत का ग्रास बन गए। गुरुवार को बडा रामद्वारा गौशाला का एक गोवंश नैनवां रोड पर मृत अवस्था में मिला वहीं बुधवार को नैनवां रोड से ही घायल अवस्था में रेस्क्यू किए गए दो गोवंश में से एक गोवंश ने भी दम तोड़ दिया।

गोपाल गौ सेवा संस्थान से जुड़े गौ भक्तों का आरोप है कि गोशाला संचालकों की लापरवाही एवं पर्याप्त चारा पानी के अभाव में भूख प्यास से गोवंश की मौत हो रही है। गोपाल गौ सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रहलाद मीणा, सचिव गोपाल माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष लोकतंत्र गुर्जर आदि गौ भक्तों ने कहा कि जिले के प्रशासनिक अधिकारी एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी भी गोवंश के संरक्षण को लेकर लगातार उदासीनता बरत रहे हैं। सरकारी अनुदान राशि प्राप्त करने के लिए गौशालाओं में क्षमता से अधिक गोवंश को रखा जा रहा है। जिस गौशाला की नियमानुसार 200 से 300 गौवंश रखने की क्षमता है। उनमें 500 गोवंशों को जबरदस्ती ठूंसा जा रहा है। अनुदान राशि का गड़बड़झाला करने के लिए क्षमता से अधिक गोवंश को गौशाला में रखने के लिए तैयार रहने वाले गौशाला संचालकों की यदि सही से जांच की जाए तो कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आ सकते हैं।

राशिफल शुक्रवार 19 अप्रेल, 2024

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, मघा नक्षत्र दिन 10:57 तक, वृद्धि योग रात्रि 1:44 तक, वणिज करण प्रात: 6:48 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कुम्भ, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग सूर्योदय से दिन 10:57 तक है। रवियोग दिन 10:57 तक बना रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन से सूर्योदय तक है। राजयोग रात्रि 8:05 से सूर्योदय तक है। महापात योग दिन दिन 10:57 से दिन 3:00 तक है। आज भद्रा 6:48 से रात्रि 8:05 तक रहेगी। बुध पूर्व में रात्रि 2:53 पर होगा। सायन वृष में सूर्य प्रवेश सांय 7:30 पर होगा। आज कामदा एकादशी व्रत, लक्ष्मीकांत दोलोत्सव है। आज से ग्रीष्म ऋतु आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:34 तक, लाभ-अमृत 7:34 से 10:50 तक, शुभ 12:26 से 2:02 तक, चर 5:13 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:49

मेष

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ अभी बनी रहेगी।

धनु

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिजनों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। धन हानि हो सकती है। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखना ठीक रहेगा।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला

आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।